NEWS CLIPPING: 10.05.2018

DAINIK JAGRAN

प्रौद्योगिकी का उपयोग भलाई के लिए करें

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि प्रो. एमके सोनी को सम्मान देते हुए • जागरण

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल में बुधवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। प्रौद्योगिकी उपयोगी सेवक या खतरनाक स्वामी विषय पर हुए इस सेमिनार में वक्ताओं ने विचार रखे। उद्घाटन सत्र में मानव रचना के प्रो वाइस चांसलर डॉ. एमके सोनी मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह दिवस 1998 में पोखरण में देश के सफल परमाणु मिसाइल परीक्षण की वर्षगांठ के तौर पर देश की प्रौद्योगिक क्षमताओं तथा उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि प्रौद्योगिकी विकास अच्छा है या बुरा, बल्कि ये है कि हम इसका उपयोग किस तरह समाज की भलाई के लिए कर सकते हैं। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. एमके सोनी ने प्रौद्योगिकी के संतुलित उपयोग पर बल दिया। तकनीकी सत्र में एसीजेड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अधिकारी मनीष डबास और सेलेबल कंपनी के मुख्य कार्यकारी सुमित जैन ने प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा दुरुपयोग पर विचार रखे। साथ ही उभरती नई प्रौद्योगिकी के बारे में भी जानकारी दी। मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, डीन डॉ. तिलक राज, डॉ. राज कुमार, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल भाटिया तथा आईटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से डॉ. पारुल तोमर ने किया।

NAVBHARAT TIMES

सेमिनार हुआ

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में वाईएमसीए यूनिवर्सिटी व राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन किया गया।

NEWS CLIPPING: 10.05.2018

PUNJAB KESARI

'प्रौद्योगिकीय विकास तभी अच्छा जब समाज की भलाई के लिए हो'

फरीदाबाद, 9 मई (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल, फरीदाबाद द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के सहयोग से 'प्रौद्योगिकी: उपयोगी सेवक या खतरानाक स्वामी' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

वाईएमसीए में लोगों को संबोधित करते हुए प्रो. दिनेश कुमार।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 11 मई को देश की प्रौद्योगिकीय उन्नति तथा उत्कृष्टता को सम्मान देने के लिए किया जाता है। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मानव रचना विद्यानतरिक्षा के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. एम.के. सोनी मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. तिलक राज तथा डॉ. अतुल मिश्रा भी उपस्थित थे। सेमिनार का आयोजन कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा डॉ. पारूल तोमर की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस को 1998 में पोखरन में देश के सफल परमाणु मिसाइल परीक्षण की वर्षगांठ के रूप में देश की प्रौद्योगिक क्षमताओं तथा उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 10 May 2018
epaper.punjabkesari.in/c/28549736

NEWS CLIPPING: 10.05.2018

HINDUSTAN

प्रौद्योगिकी का उपयोग भले के लिए करें: प्रो. दिनेश

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

कार्यक्रम

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य पर सेमिनार का आयोजन
- प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा दुरुपयोग पर विचार रखे

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल में बुधवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य पर हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

'प्रौद्योगिकी: उपयोगी सेवक या खतरनाक स्वामी' विषय पर हुए इस सेमिनार में वक्ताओं ने विचार रखे। उद्घाटन सत्र में मानव रचना के प्रो वाइस चांसलर डॉ. एमके सोनी मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि ये दिवस 1998 में पोखरण में देश के सफल परमाणु मिसाइल परीक्षण की वर्षगांठ के तौर पर देश की प्रौद्योगिक क्षमताओं को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि प्रौद्योगिकी विकास अच्छा है या बुरा, बल्कि ये है कि हम इसका उपयोग किस तरह समाज की भलाई में कर सकते हैं। प्रो. एमके सोनी ने प्रौद्योगिकी के संतुलित उपयोग पर बल दिया। एक कंपनी के निदेशक मनीष डबास और दूसरी के कार्यकारी सुमित जैन ने भी विचार रखे।